

06.10.2023

दिनांक-12.05.2023 के स्थानीय दैनिक समाचारपत्र में  
इस आशय का समाचार प्रकाशित हुआ कि पटना नगर निगम क्षेत्र के  
बैरिया डंपिंग यार्ड में जमा लाखों टन कचरों का प्रसंस्करण नहीं होने  
के कारण मिथेन गैस के कारण वहाँ आग लग गई और चारों ओर  
धुआं फैल गया तथा धुएँ के कारण डंपिंग यार्ड के आस-पास के रहने  
वाले लोगों का सॉस लेना भी मुश्किल हो गया।

उपरोक्त पर राज्य आयोग द्वारा स्वप्रेरणा से संज्ञान लेकर  
नगर निगम, पटना से प्रतिवेदन की माँग की गई। नगर आयुक्त,  
पटना नगर निगम, पटना द्वारा उपरोक्त पर निम्नलिखित प्रतिवेदन  
समर्पित किया गया :-

प्रतिवेदन	निराकरण
दिनांक-12.05.2023 के स्थानीय दैनिक समाचारपत्र में इस आशय का समाचार प्रकाशित हुआ कि पटना नगर निगम क्षेत्र के बैरिया डंपिंग यार्ड में जमा लाखों टन कचरों का प्रसंस्करण नहीं होने के कारण मिथेन गैस के कारण वहाँ आग	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ रामाचक बैरिया यार्ड में वित्तीय वर्ष-2020-21 तक मौजूद कुल 1007673 घनमीटर Legacy Waste को Scientific तरीके से निस्तारण Bio- Mining/Bio-Remediation of Legacy Waste and Reclamation of land कार्य किया जा रहा है, जिसमें 70% कार्य किया जा चुका है। शेष कार्य मानसून के उपरांत किया जायेगा। वित्तीय वर्ष 2021-21 से 2022-23 तक कचड़े का Processing हेतु Quantification कार्य प्रगति पर है।</li> <li>➤ उक्त कार्य के अतिरिक्त डंपिंग यार्ड पर MRF केन्द्र हैं, जहाँ Fresh Waste के सूखे कचड़े को</li> </ul>

लग गई और चारों ओर धुआं फैल गया तथा धुएँ के कारण डंपिंग यार्ड के आस-पास के रहने वाले लोगों का साँस लेना भी मुश्किल हो गया।

पृथक कर Recycler के पास भेजा जाता है एवं गीला कचड़ा प्रसंस्करण हेतु Compost Pit बना हुआ है।

- उक्त यार्ड में वायु शुद्धता को दृष्टिगत रखते हुए हरित पट्टी के निर्माण कार्य के तहत लगभग 5000 पौधारोपण का कार्य किया गया है।
- उक्त यार्ड पर आग की घटना पर नियंत्रण पाने हेतु Water Hydrants स्थापित किया गया है।

अब जबकि नगर आयुक्त, पटना नगर निगम, पटना द्वारा बैरिया डंपिंग यार्ड में जमा कचरों के सम्बन्ध में कार्रवाई की सूचना दी गई है, तो ऐसी परिस्थिति में राज्य आयोग के स्तर से उक्त पर कोई अग्रतर कार्रवाई किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है।

अतः उपरोक्त के आलोक में प्रसंगाधीन मामले को राज्य आयोग के स्तर से मानवाधिकार अतिक्रमण की श्रेणी में नहीं पाकर संचिकास्त किया जाता है।

(उज्ज्वल कुमार दुबे)  
सदस्य

उपसचिव